भारत-अमेरिका व्यापार समझौता: पीयूष गोयल का बयान

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत ने सभी व्यापार समझौतों में अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा की है। उन्होंने कहा कि भारत को अमेरिका के साथ सबसे अच्छा व्यापार समझौता मिला है, जो अन्य देशों की तुलना में बेहतर है।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित रायसीना डायलॉग 2026 में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत एक आत्मविश्वासी देश के रूप में उभरा है और भारत तथा अमेरिका के बीच बहुत मजबूत संबंध हैं।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमेशा भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में सकारात्मक बातें कही हैं। भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते बहुत अच्छे हैं और दोनों देशों के बीच सहयोग काफी मजबूत है। गोयल ने आगे कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संबंध बहुत शक्तिशाली और महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिन देशों के साथ भारत प्रतिस्पर्धा करता है, उनके मुकाबले भारत को अमेरिका के साथ सबसे बेहतर व्यापार समझौता मिला है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों पर बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में उसकी बड़ी भूमिका है।

गोयल ने कहा कि भारत दुनिया भर में व्यापार साझेदारियों का एक बड़ा नेटवर्क तैयार कर रहा है, जिसे उन्होंने वर्ल्ड वाइड वेब ऑफ ट्रेड पार्टनरशिप कहा।

हाल ही में उन्होंने यह भी कहा था कि यदि जरूरत पड़ी तो भारत अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते में संतुलन (रीबैलेंस) करेगा ताकि भारत के हित सुरक्षित रह सकें।

यह बयान उस समय आया जब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा पहले घोषित किए गए कुछ टैरिफ बढ़ोतरी के फैसलों को रद्द कर दिया था, जिससे व्यापार की स्थिति में बदलाव आया है।

गोयल ने कहा कि अमेरिका में टैरिफ को लेकर स्थिति बदल रही है, इसलिए भारत इस पर नजर बनाए हुए है और यह सुनिश्चित करेगा कि भारत के हितों की पूरी तरह रक्षा हो। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन के पास अभी भी टैरिफ बढ़ाने के अन्य विकल्प हैं और संभव है कि आने वाले समय में टैरिफ 15 प्रतिशत तक बढ़ाए जा सकते हैं। मंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार को लेकर लगातार बातचीत और संवाद जारी है। गोयल ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रस्तावित व्यापार समझौते में भारत ने संवेदनशील डेयरी और कृषि क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद भारत का निर्यात इस साल बढ़ने की संभावना है।

बीएसई का बीकेसी में विस्तार का प्लान, एमएमआरडीए से मांगी जमीन

मुंबई। मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में ऑफिस स्पेस की बढ़ती मांग के बीच बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने अपने विस्तार की योजना बनाई है। इसी के तहत बीएसई ने मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) से जमीन आवंटित करने का अनुरोध किया है ताकि वह मुंबई में अपने संचालन का दायरा बढ़ा सके।

बीएसई के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ सुंदररामन राममूर्ति और चीफ रेगुलेटरी ऑफिसर कमला कंथराज ने इस संबंध में एमएमआरडीए के मेट्रोपॉलिटन कमिश्नर डॉ. संजय मुखर्जी (आईएएस) से मुलाकात की। इस बैठक में बीएसई के प्रस्तावित विस्तार के लिए उपयुक्त जमीन की पहचान करने पर चर्चा की गई।

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब हाल ही में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने भी बीकेसी में अपने कार्यालय का विस्तार किया है। इससे बीकेसी की पहचान भारत के प्रमुख वित्तीय और व्यावसायिक केंद्र के रूप में और मजबूत हुई है।

पिछले कुछ वर्षों में बीकेसी में कई बड़े वित्तीय संस्थान, बहुराष्ट्रीय कंपनियां और वैश्विक निवेश फर्म अपने कार्यालय स्थापित करने में रुचि दिखा रही हैं। इससे साफ है कि यह क्षेत्र अपनी रणनीतिक लोकेशन, बेहतर बुनियादी ढांचे और वित्तीय गतिविधियों के केंद्र के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है।

एमएमआरडीए भी मुंबई के व्यावसायिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए ऐसे निवेशों को बढ़ावा दे रहा है। प्राधिकरण ने कहा कि वह बीएसई के साथ मिलकर उपयुक्त जमीन की पहचान और उसके आवंटन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए काम करेगा। बीएसई के इस विस्तार से मुंबई की पहचान देश की वित्तीय राजधानी के रूप में और मजबूत होने की उम्मीद है, साथ ही बीकेसी में व्यावसायिक और संस्थागत गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

मिडिल ईस्ट तनाव से कीमती धातुओं में उछाल, सोना 1.70 लाख के करीब तो चांदी 3 लाख की ओर

मुंबई। मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के कारण निवेशकों ने सुरक्षित निवेश (सेफ-हेवन) के रूप में कीमती धातुओं (सोना-चांदी) में खरीदारी का रुख किया, जिससे इस सप्ताह भी सोने-चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली, साथ ही व्यापक कमोडिटी बाजार में अस्थिरता भी बढ़ी। हालांकि दिन के दौरान कुछ समय कीमतों में हल्की गिरावट और मुनाफावसूली देखने को मिली, लेकिन कुल मिलाकर सोने और चांदी की कीमतों का रुझान अभी भी मजबूत और तेजी वाला बना हुआ है।

एमसीएक्स पर 2 अप्रैल की डिलीवरी वाले गोल्ड फ्यूचर्स में तेजी जारी रही और कीमतें 1,65,000 रुपए के रेजिस्टेंस स्तर को पार कर 1,69,880 रुपए तक पहुंच गईं। हालांकि शुक्रवार को कारोबार के अंत में सोना लगभग स्थिर रहा और 1,61,675 रुपए पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर से थोड़ा कम था।

वहीं, एमसीएक्स पर 5 मई की डिलीवरी वाले सिल्वर फ्यूचर्स में भी तेजी का रुख जारी रहा। चांदी की कीमत 2,85,000 रुपए के स्तर को पार कर लगभग 3,00,000 रुपए के करीब पहुंच गई। बाजार में इस दौरान काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर के अनुसार, सोना और चांदी दोनों रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंचने के बाद इनमें हल्की गिरावट देखने को मिली, जबकि आपूर्ति बाधित होने की आशंका के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया।

उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण ब्रेकआउट स्तरों के आसपास ट्रेडरों की भागीदारी बढ़ी है, लेकिन बाजार में अधिक अस्थिरता को देखते हुए जोखिम प्रबंधन पर ध्यान देना जरूरी है। एक्सपर्ट के अनुसार, तकनीकी संकेतक बताते हैं कि सोने की कीमतों में तेजी का रुझान बना हुआ है। अगर सपोर्ट स्तर मजबूत रहता है तो सोना 1,70,000 रुपए तक पहुंच सकता है। हालांकि यदि कीमत 1,57,000 रुपए से नीचे जाती है, तो गिरावट बढ़कर 1,50,000 रुपए तक जा सकती है। एक्सपर्ट का कहना है कि 2,55,000 से 2,65,000 रुपए का दायरा चांदी के लिए मजबूत मांग क्षेत्र बन चुका है। यदि तेजी जारी रहती है तो कीमत 3,00,000 से 3,05,000 रुपए तक जा सकती है। लेकिन यदि कीमत 2,60,000 रुपए से नीचे आती है, तो कुछ समय के लिए बाजार में स्थिरता या हल्की गिरावट देखी जा सकती है।

महिला सशक्तिकरण के लिए एसबीआई ने शुरू किया 500 मिलियन डॉलर का सोशल लोन

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने शनिवार को 500 मिलियन डॉलर (लगभग 4,597 करोड़ रुपए) की %सिंडिकेटेड सोशल टर्म लोन फैसिलिटी% की शुरुआत की है। यह लोन खास तौर पर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया है।

बैंक के अनुसार, इस लोन में ग्रीनशू विकल्प भी शामिल है, और यह कदम बैंक के साथ-साथ वैश्विक ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और गवर्नेंस) फाइनेंसिंग के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

एसबीआई ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य सामाजिक प्रभाव को तेज करना, लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और महिलाओं के बीच मौजूद असमानता को कम करने वाली पहलों का समर्थन करना है।

बैंक ने बताया कि यह पहल संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 5 ङ्क %लैंगिक समानता हासिल करना और सभी महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाना% ङ्क को आगे बढ़ाने में योगदान देगी।

एसबीआई के चेयरमैन सीएस सेटी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर इस ऐतिहासिक सोशल लोन की घोषणा करते हुए उन्हें गर्व हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह कदम सतत विकास के लिए महिला सशक्तिकरण के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि वास्तविक प्रगति केवल आर्थिक विकास से नहीं होती, बल्कि सकारात्मक सामाजिक बदलाव लाने, महिलाओं को सशक्त बनाने और सभी के लिए समावेशी समाज बनाने से होती है।

यह एसबीआई का इस तरह का पहला बड़ा सोशल लोन ट्रांजैक्शन है और इसे वैश्विक स्तर पर महिलाओं से जुड़ा सबसे बड़ा लोन माना जा रहा है। इससे सतत वित्त (सस्टेनेबल फाइनेंस) के क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका भी दिखाई देती है।

बैंक के अनुसार, इस लोन के जरिए विभिन्न क्षेत्रों में लैंगिक समानता और समावेशी आर्थिक विकास से जुड़े कार्यक्रमों और परियोजनाओं को समर्थन दिया जाएगा। इस ट्रांजैक्शन में एमयूएफजी ने ओरिजिनल मैंडेटेड लीड अरेंजर, अंडरराइटर और बुक रनर के साथ-साथ एकमात्र सोशल लोन कोऑर्डिनेटर की भूमिका निभाई है।

शुक्रवार को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर एसबीआई का शेयर 1,139.80 रुपए पर बंद हुआ, जो 2.5 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है। एसबीआई देश के सबसे बड़े होम लोन देने वाले बैंकों में से एक है और अब तक लगभग 30 लाख भारतीय परिवारों के घर खरीदने के सपने पूरे करने में मदद कर चुका है। इतना ही नहीं, बैंक का होम लोन पोर्टफोलियो 9 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 तक एसबीआई के पास 57 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का डिपॉजिट बेस था, जबकि सीएएसए अनुपात 39.13 प्रतिशत और कुल अग्रिम (लोन) 46.8 लाख करोड़ रुपए से अधिक था।

मध्य पूर्व तनाव से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, ब्रेंट कूड 91 डॉलर के पार

नई दिल्ली। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते युद्ध के कारण शनिवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल देखा गया। ब्रेंट क्रूड की कीमत 91.84 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई, जबकि वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) का दाम 89.62 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। इस तेजी के साथ ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई की कीमतों में क्रमशः 24.55 प्रतिशत और 32 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ने की आशंकाएं फिर से तेज हो गई हैं। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स अप्रैल 2024 के बाद पहली बार 90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया है। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमत दिन के दौरान लगभग 11 प्रतिशत बढ़कर 89.62 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान को निर्धारित समय से पहले और पहले कभी न देखे गए स्तर पर नुकसान पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि ईरान के पास अब कोई एयरफोर्स और एयर डिफेंस नहीं बचा है और उसकी वायु सेना लगभग खत्म हो चुकी है। दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने हाल ही में एनबीसी न्यूज से बातचीत में कहा कि उनका देश किसी भी तरह की बातचीत करने का इरादा नहीं रखता और जमीनी युद्ध के लिए भी तैयार है।

विशेषज्ञों के अनुसार, जब 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ था, तब ब्रेंट क्रूड की कीमत 139 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी। मौजूदा हालात में भी अगर तनाव बढ़ता है तो कीमतों में और तेजी देखने को मिल सकती है। हालांकि भारत के लिए राहत की बात यह है कि देश के पास फिलहाल कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त भंडार मौजूद है। सरकार के अनुसार, भारतीय तेल कंपनियां खाड़ी क्षेत्र के अलावा अन्य देशों से भी आयात बढ़ाकर आपूर्ति में आने वाली कमी को पूरा कर रही हैं। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि भारत के पास फिलहाल ऊर्जा संसाधनों का पर्याप्त स्टॉक है और देश ऊर्जा आपूर्ति के मामले में आरामदायक स्थिति में है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसी आपूर्ति से अधिक ऊर्जा स्रोत भारत के पास उपलब्ध हैं और जरूरत पड़ने पर अन्य क्षेत्रों से आयात बढ़ाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

एआई से एमएसएमई को 2035 तक 150 अरब डॉलर का फायदा संभव

नई दिल्ली । एक रिपोर्ट के मुताबिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से भारत के मैन्युफैक्चरिंग एमएसएमई सेक्टर को 2035 तक 135.6 से 149.9 अरब डॉलर का आर्थिक लाभ मिल सकता है। पीडब्ल्यूसी इंडिया और ओआरएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई अपनाने से उत्पादन लागत घटेगी, गुणवत्ता और नवाचार में सुधार होगा तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। रिपोर्ट के अनुसार, अगर मैन्युफैक्चरिंग में एमएसएमई की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत तक पहुंचती है तो सेक्टर की विकास संभावनाएं 3.21 ट्रिलियन डॉलर तक जा सकती हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि एआई से पूरी वैल्यू चेन में बदलाव होगा और भारत के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

सेंसेक्स-निफ्टी में इस सप्ताह 3ब की गिरावट, मध्य पूर्व तनाव और एफआईआई बिकवाली ने बढ़ाई चिंता

मुंबई। मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के कारण इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में सेंसेक्स और निफ्टी लगभग 3 प्रतिशत गिर गए। सेंसेक्स 81,287.19 से 78,918.90 पर और निफ्टी 25,178.65 से 24,450.45 पर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने इस दौरान 23,000 करोड़ रुपए से अधिक की निकासी की, जबकि घरेलू निवेशकों (डीआईआई) की मजबूत भागीदारी ने गिरावट को कुछ हद तक रोका। मुख्य सेक्टरों में बीएसई रियल्टी, ऑयल एंड गैस, बैंकिंग, ऑटो और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 3 से 5 प्रतिशत तक गिरावट देखी गई। वहीं, डिफेंस और कैपिटल गुड्स सेक्टर में हल्की बढ़त दर्ज हुई। विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक जोखिम और ऊंची ऊर्जा कीमतों के बीच निवेशक सतर्क हैं, लेकिन घरेलू निवेश की मजबूती से बाजार की दीर्घकालिक स्थिति अभी भी मजबूत बनी हुई है।

खाड़ी युद्ध लंबा चला तो बढ़ सकती है महंगाई, भारत पर असर सीमित

नई दिल्ली। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक खाड़ी क्षेत्र में जारी संघर्ष लंबा चलने पर वैश्विक महंगाई और वित्तीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भारत के चालू खाते के घाटे और आर्थिक विकास दर पर दबाव पड़ सकता है, हालांकि भारतीय रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप से रुपये और बॉन्ड बाजार को फिलहाल सपोर्ट मिला है। रिपोर्ट के अनुसार, तेल की कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल पहुंचने पर भारत की जीडीपी वृद्धि दर लगभग 6 प्रतिशत तक घट सकती है। विशेषज्ञों ने कहा कि खाड़ी संकट के बावजूद रूसी तेल आयात और अन्य रणनीतिक कदमों से भारत पर प्रभाव सीमित रहने की संभावना है।

भारत में अरबपतियों की संख्या बढ़कर 308, दुनिया में तीसरे स्थान पर: हुरुन रिपोर्ट

नई दिल्ली। हुरुन रिसर्च इंस्टीट्यूट की हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट 2026 के अनुसार, भारत में अरबपतियों की संख्या अब 308 हो गई है, जो पिछले साल से 24 ज्यादा है। इस बढ़ोतरी के साथ भारत दुनिया में अरबपतियों की संख्या के मामले में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। अमेरिका और चीन क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय अरबपतियों की कुल संपत्ति में सालाना 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और यह बढ़कर 112.6 लाख करोड़ रुपए हो गई है। इनमें से 199 अरबपतियों की संपत्ति बढ़ी, जबकि 109 की संपत्ति स्थिर या घट गई। महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 7 प्रतिशत है, जिसमें 23 महिला अरबपतियों के पास कुल 9.8 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति है।

पेट्रोल-डीजल के नहीं बढ़ेंगे दाम, होर्मुज जलडमरूमध्य से पहली खेप रवाना: सूत्र

नई दिल्ली। शनिवार को सरकारी सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी। सूत्रों ने बताया कि भारत की ऊर्जा भंडार स्थिति लगातार बेहतर हो रही है और हालात पहले की तुलना में ज्यादा स्थिर हो रहे हैं।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, ऊर्जा भंडार की स्थिति में सुधार होने से सरकार को ईंधन आपूर्ति को संभालने में ज्यादा भरोसा मिला है। उन्होंने बताया कि भारत ने कच्चे तेल के आयात को विविध बनाने के लिए कदम उठाए हैं ताकि संवेदनशील समुद्री मार्गों पर निर्भरता कम हो सके।

सूत्रों ने कहा कि पहले भारत के कुल कच्चे तेल आयात का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर के स्रोतों से आता था, लेकिन अब यह हिस्सा बढ़कर करीब 70 प्रतिशत हो गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य से पहली तेल खेप रवाना हो चुकी है, जिससे संकेत मिलता है कि तेल की आपूर्ति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है।

सरकार की यह सफाई उस समय आई जब विपक्षी राजनीतिक दलों ने आरोप लगाया था कि ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए सरकारी सूत्रों ने कहा कि यह पूरी तरह बेबुनियाद आरोप हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पहले दिया गया आश्वासन सिर्फ पेट्रोल और डीजल की कीमतों से संबंधित था, यह एलपीजी के बारे में नहीं था। सूत्रों ने फिर से दोहराया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी।

उन्होंने कहा, यह बात सिर्फ पेट्रोल और डीजल के लिए कही गई थी। इसका संबंध एलपीजी से नहीं था। आज हम फिर से भरोसा दिलाते हैं कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें नहीं बढ़ेंगी।

रसोई गैस के मुद्दे पर सूत्रों ने कहा कि सरकार फिलहाल एलपीजी उत्पादन को प्राथमिकता देने की दिशा में काम कर रही है, ताकि इसकी पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 12 वर्षों में एलपीजी सिलेंडर की कीमत लगभग 110 रुपए बढ़ी है। सूत्रों के अनुसार, सरकार ऊर्जा क्षेत्र की स्थिति पर करीबी नजर रख रही है और ईंधन की आपूर्ति और कीमतों को स्थिर बनाए रखने के लिए जरूरी कदम उठा रही है।

भारत 85,000 सेमीकंडक्टर डिजाइन इंजीनियर तैयार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा: अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि भारत चिप्स टू स्टार्टअप्स (सी2एस) पहल के तहत 85,000 सेमीकंडक्टर डिजाइन इंजीनियर तैयार करने के लक्ष्य की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मंत्री ने बताया कि सरकार सेमीकंडक्टर सेक्टर में प्रतिभा विकास और कौशल बढ़ाने पर खास जोर दे रही है।

यह कार्यक्रम इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य प्रशिक्षण, कौशल विकास और कार्यबल तैयार करके देश के उभरते चिप उद्योग के लिए मजबूत टैलेंट तैयार करना है। वैष्णव ने कहा कि 10 साल के सी2एस कार्यक्रम के पहले चार वर्षों में ही अच्छी प्रगति देखने को मिली है।

उन्होंने बताया कि सिनोप्सिस, कैडेंस डिजाइन सिस्टम्स, सीमेंस, रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स, एएनसिस और एएमडी जैसी वैश्विक तकनीकी कंपनियों के विश्व स्तरीय इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन (ईडीए) टूल्स भारत के 315 शैक्षणिक संस्थानों में उपलब्ध कराए गए हैं।

मंत्री के अनुसार इन टूल्स के जरिए छात्रों को सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन का व्यावहारिक अनुभव मिल रहा है। छात्रों द्वारा डिजाइन की गई चिप्स को मोहाली स्थित सेमीकंडक्टर लैबोरेटरी (एससीएल) में तैयार और परीक्षण किया जा रहा है। इससे छात्रों को डिजाइन से लेकर फैब्रिकेशन, पैकेजिंग और टेस्टिंग तक पूरी प्रक्रिया का अनुभव मिल रहा है। उन्होंने बताया कि यह पहल अब दुनिया का सबसे बड़ा ओपन-एक्सेस ईडीए प्रोग्राम बन गई है, जिसमें अब तक 1.85 करोड़ घंटे से ज्यादा ईडीए टूल्स का इस्तेमाल चिप डिजाइन प्रशिक्षण के लिए किया जा चुका है। देश भर के संस्थानों के छात्र, असम से गुजरात और जम्मू-कश्मीर से तमिलनाडु तक, अब सक्रिय रूप से सेमीकंडक्टर डिजाइन गतिविधियों में हिस्सा ले रहे हैं।

वैष्णव ने वैश्विक उद्योग रुझानों का जिक्र करते हुए कहा कि सेमीकंडक्टर सेक्टर का आकार मौजूदा 800-900 अरब डॉलर से बढ़कर करीब 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। इससे दुनिया भर में लगभग 20 लाख कुशल पेशेवरों की मांग पैदा होगी और भारत के युवाओं के लिए बड़े रोजगार अवसर बनेंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के तहत इस कार्यक्रम का विस्तार 315 से बढ़ाकर 500 शैक्षणिक संस्थानों तक किया जाएगा, जिससे सेमीकंडक्टर डिजाइन, फैब्रिकेशन, पैकेजिंग और टेस्टिंग के क्षेत्र में पूरे देश में टैलेंट को और मजबूत किया जाएगा।

स्पेशल खबर 5 मिनट में 70 प्रतिशत चार्ज, ठंडे मौसम में भी बेहतरीन प्रदर्शन के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों को देगा नया दम

बीवाईडी की नई ब्लेड बैटरी 2.0: 1,000 किमी रेंज और सुपर-फास्ट चार्जिंग की नई युग की शुरुआत

- बीवाईडी ने अपनी नई ब्लेड बैटरी 2.0 पेश की, जो 1,000 किमी से अधिक की ड्राइविंग रेंज प्रदान करती है।
- बैटरी में अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग सिस्टम है, जो केवल 5 मिनट में 10ब से 70प्रतिशत तक चार्ज कर सकता है।
- नई बैटरी को माइनस 30 डिग्री सेल्सियस तापमान में भी तेज चार्जिंग क्षमता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- ब्लेड बैटरी 2.0 में हाई एनर्जी डेंसिटी तकनीक है, जिससे लंबी ड्राइविंग रेंज प्राप्त होगी।
- सुरक्षा के लिहाज से, बैटरी ने कठोर सुरक्षा परीक्षणों को पार किया और चीन के राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों से बेहतर प्रदर्शन किया।

नई दिल्ली। चीनी इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी बीवाईडी ने अपनी नई पीढ़ी की ब्लेड बैटरी 2.0 पेश की है, जो एक नई ईवी बैटरी तकनीक है और 1,000 किलोमीटर से अधिक ड्राइविंग रेंज देने का वादा करती है। साथ ही इसमें अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग और बेहतर सुरक्षा फीचर्स भी दिए गए हैं।

कंपनी के अनुसार, यह बैटरी चीन लाइट-ड्यूटी व्हीकल टेस्ट साइकिल (सीएलटीसी) के तहत 1,000 किलोमीटर से अधिक की ड्राइविंग रेंज देने में सक्षम है।

यह पहली पीढ़ी की ब्लेड बैटरी की तुलना में बड़ा सुधार है, जो आमतौर पर समान परिस्थितियों में लगभग 600 किलोमीटर तक की रेंज देती थी।

नई बैटरी की सबसे खास विशेषता इसकी अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग क्षमता है। बीवाईडी के अनुसार, इसका फ्लैश चार्जिंग सिस्टम बैटरी को सिर्फ 5 मिनट में 10 प्रतिशत से 70 प्रतिशत तक चार्ज कर सकता है।

कंपनी के मुताबिक, सामान्य परिस्थितियों में बैटरी को 10 प्रतिशत से 97 प्रतिशत तक चार्ज होने में लगभग 9 मिनट लगते हैं। यह बैटरी बेहद ठंडे मौसम में भी अच्छा प्रदर्शन करती है। कंपनी के अनुसार अगर बैटरी को 24 घंटे तक माइनस 30 डिग्री सेल्सियस तापमान में रखा जाए, तब भी यह लगभग 12 मिनट में 20 प्रतिशत से 97 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती है। बीवाईडी के चेयरमैन और सीईओ वांग चुआनफू ने कहा कि इस नई बैटरी को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह बेहद ठंडे वातावरण में भी तेज चार्जिंग स्पीड दे सके। उन्होंने बताया कि बैटरी में हाई एनर्जी डेंसिटी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिससे भविष्य की इलेक्ट्रिक गाड़ियों को ज्यादा लंबी ड्राइविंग रेंज मिल सकेगी।

कंपनी के अनुसार, ब्लेड बैटरी 2.0 से लैस वाहन मौजूदा ज्यादातर इलेक्ट्रिक वाहनों की तुलना में 30 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक तेजी से चार्ज हो सकते हैं। वांग ने यह भी बताया कि बैटरी को 97 प्रतिशत तक चार्ज करना बेहतर माना जाता है ताकि ड्राइविंग के दौरान रिजेनेरेटिव ब्रेकिंग के जरिए शेष बैटरी क्षमता का उपयोग किया जा सके। सुरक्षा भी ब्लेड बैटरी के डिजाइन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। बीवाईडी का कहना है कि यह बैटरी कई कठोर सुरक्षा परीक्षणों से गुजरी है, जिनमें नेल पेनिट्रेशन और बॉटम इम्पैक्ट टेस्ट शामिल हैं। यह चीन के नवीनतम राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों से भी बेहतर प्रदर्शन करती है।

नई बैटरी का इस्तेमाल सबसे पहले बीवाईडी के प्रीमियम ब्रांड यांगवांग की लग्जरी इलेक्ट्रिक सेडान यांगवांग यू7 में किया जाएगा। प्रोडक्ट डायरेक्टर झेंग यू के अनुसार, 150 किलोवाट-घंटे बैटरी पैक के साथ यह कार सीएलटीसी मानकों के तहत लगभग 1,006 किलोमीटर की शुद्ध इलेक्ट्रिक रेंज दे सकेगी।